an>

title: Need to conduct enquiry into the alleged corruption in auction of sugar mills in Maharashtra.

श्री राजू शेट्टी (हातकणंगले) : अध्यक्ष महोदया, महाराष्ट्र के कोऑपरेटिव चीनी उद्योग में राज्य सरकार, किसान और आम आदमी की बहुत बड़ी राशि का निवेश है। महाराष्ट्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था चीनी उद्योग पर ही निर्भर है। लगभग नौ लाख गन्ना कटाई करने वाले मजदूरों को साल में 150 से 170 दिनों का रोजगार यह उद्योग देता है। हजारों मजदूर चीनी मिलों में काम करते हैं और तीन करोड़ गन्ना उत्पादक किसानों की आजीविका इस उद्योग पर निर्भर है। लेकिन पिछले कई सालों से यह उद्योग भ्रष्टाचार, परिवारवाद और राजनीति का शिकार बन गया है। किसानों ने एक-एक पैसा करके यह चीनी उद्योग अपने पसीने से खड़ा किया, लेकिन उनकी धनराशि राजनीति के लिए इस्तेमाल की गयी। नतीजा यह हुआ कि सहकारी चीनी मिलें घाटे में चली गयीं। उनका कर्जा इतना बढ़ गया कि बैंकों को आखिरकार सिक्युरिटाइजेशन एक्ट के तहत चीनी मिलें बरामद करके उनकी नीलामी करनी पड़ी। मजे की बात यह है कि जिनकी वजह से चीनी मिलों की नीलामी हुई, उन्हीं राजनेताओं ने निजी प्राइवेट कंपनियां बनाकर नीलामी में उन्हीं मिलों की अलग-अलग नाम से खरीद ली हैं। इस नीलामी में कहीं भी पारदर्शिता नहीं दिखाई दी गयी। आज तकरीबन एक चीनी मिल खड़ा करने के लिए कम से कम 300 करोड़ रुपये लगते हैं, लेकिन ये सहकारी चीनी मिलें केवल 14 से 50 करोड़ रुपये तक नीलाम हो गयीं। पिछले कई सालों से महाराष्ट्र की 35 सहकारी चीनी मिलें सिर्फ एक हजार 76 करोड़ रुपये में नीलाम हो चुकी हैं, जिनका बाजार में असली कीमत 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि जिन निजी कम्पनियों ने ये चीनी मिलें खरीदी हैं, उनके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर कौन हैं, शेयर होल्डर कौन हैं और उन्होंने इन मिलों को खरीदने के लिए इतनी राशि कहां से ली है, इसका पूर्वतन निदेशालय तथा ईडी की तरफ से पूरी जांच होनी चाहिए। इसके साथ-साथ सहकारिता की कई स्पीनिंग मिलें, एग्रो प्रोसेसिंग यूनिट्स भी इसी तरह से बेची और खरीदी गयी हैं। इसमें जो भी राशि लगायी गयी है, वह सब कालाधन है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि आपको विदेश से जब कालाधन लाना है, तब लाइये, लेकिन पहले इसी देश में छिपा हुआ कालाधन इन जैसे सफेद कपड़ों में छिपे हुए डकैतों से बरामद कीजिए। इसलिए मैं आग्रहपूर्वक विनती करता हूं कि इस पूरे मामले की ईडी के तहत जांच करके असली हकदारों के साथ न्याय किया जाये। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र तथा

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री राजू शेट्टी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।